मानसून सत्र समापन अवसर पर

माननीय विधानसभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

भुक्रवार, 28 अगस्त

2020

पंचम विधान सभा के **सप्तम सत्र** का आज अंतिम कार्य दिवस है । सत्र के संचालन में सहयोग के लिये सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं सभी माननीय मंत्रिगण, माननीय उपाध्यक्ष, सभापति तालिका के माननीय सदस्य सहित पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यों के प्रति मैं हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ ।

यह सत्र कई मायनों में कुछ अलग अनुभव देने वाला रहा, आज पूरा **विश्व कोरोना महामारी (कोविड–19)** के संक्रमण के प्रभाव से गुजर रहा है। हम सबके लिए यह गर्व का विषय है कि हमारी छत्तीसगढ़ विधान सभा ने राज्य में कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट की घड़ी में पूर्ण सजगता और समर्पण के साथ योगदान दिया है। **कोरोना महामारी लॉकडॉऊन** की अवधि में **छत्तीसगढ़ विधान सभा** में **कोविड कंट्रोल रूम** की स्थापना की गयी और इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के **सात हजार एक सौ अट्‌ठासी** व्यक्तियों को जो दूसरे राज्यों में फॅसे थे और अन्य राज्यों के छत्तीसगढ़ राज्य में फॅसे तीन सौ उन्चास पीड़ित जरूरतमंदों की समस्याओं के समाधान हेतु समन्वय किया गया।

इस **विषम परिस्थिति में सत्र** के आहूत होने से हम एक सकारात्मक संदेश दे पाने में सफल रहे कि किसी भी चुनौती और संकट का मुकाबला करने के लिए मनोबल का बने रहना अत्यंत आवश्यक है और इन विपरीत परिस्थितियों में सत्र आहूत कर और उसे सफलतापूर्वक सम्पन्न कर पाने में आप सबने जिस कर्तव्य परायणता का परिचय दिया है, इससे **कोविड–19** के विरूद्ध संघर्ष करने वाले प्रत्येक **व्यक्ति संस्था, समूह** और **संगठनों** को एक नई ऊर्जा मिली है, उनका मनोबल बढ़ा है, जो कि **कोरोना महामारी** से संघर्ष के लिए आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विधान सभा की कार्यवाही जनता तक पहुंचे सके इसलिए प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथियों के लिए विशेष रूप से ऑडियोटोरियम में कार्यवाही के प्रसारण की व्यवस्था की गयी। सभा भवन में प्रवेश के पूर्व माननीय सदस्यों के **ऑक्सीजन लेवल** एवं **टेम्प्रेचर** की जांच की गयी। सभा भवन को संक्रमण से मुक्त बनाने के लिए **एंटीबैक्टीरियल सरफेस कोटिंग** करायी गयी। सत्र काल में शासकीय और सुरक्षा कार्य में संलग्न अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति कम से कम हो यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। इस प्रकार छत्तीसगढ़ विधान सभा ने सीमित समय में **कोरोना**

(कोविड–19) से सुरक्षा के उपायों को अपनाते हुए, सुव्यवस्थित सत्र संचालन की व्यवस्थाओं को मूर्त स्वरूप दिया है।

सत्र समापन के अवसर पर मैं अपनी ओर से और समवेत सदन की ओर से हमारे **कोरोना वारियर्स** डॉक्टर, नर्स, कम्पाउंडर अन्य चिकित्सा स्टॉफ, पुलिस प्रशासन, स्वयंसेवी संगठन, राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं, शासन–प्रशासन के अधिकारीगण और वे सभी जन जिन्होंने कोविड–19 के संक्रमण के संकट काल में पीड़ित और जरूरतमंदों की सेवा की हैं, उन सबके प्रति साधुवाद प्रेषित करता हूँ, यह सदन उनके इस योगदान के प्रति कृतज्ञ है।

कोरोना महामारी के संक्रमण से अपने छत्तीसगढ़ राज्य को हम और अधिक कैसे सुरक्षित रख सकते हैं? इस विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, इस **मानसून सत्र** में प्रतिपक्ष द्वारा लाये गये, **स्थगन** प्रस्ताव की ग्राहता पर 5 घंटे चर्चा हुई, चर्चा से यह निष्कर्ष स्थापित हुआ कि राजनैतिक प्रतिबद्धताओं के चलते पक्ष–प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों की प्रतिक्रियाओं में भले ही विभिन्नता हो परन्तु सभी की भावना छत्तीसगढ़ राज्य को सुरक्षित खुशहाल बनाये रखने की है और आप सभी इसके लिए संकल्पित हैं। लोकहित और सर्वकल्याण की आपकी इस सामूहिक भावना को इस सदन की सबसे बड़ी उपलब्धि मानता हूँ। मुझे इस बात का संतोष है कि इस सत्र में इस विपदा के अलावा प्रत्येक उस विषय पर चर्चा हुई, जो छत्तीसगढ़ राज्य की बेहतरी के लिए आवश्यक है।

अब मैं आपको इस सत्र में सम्पादित कार्यों के बारे में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 4 बैठकों में लगभग 24 घंटे 30 मिनट चर्चा हुई। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 304 एवं अतारांकित प्रश्नों की 275 इस प्रकार कुल 579 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें से 42 प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये । ध्यानाकर्षण की कुल 221 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 57 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 33 सूचनायें शून्यकाल में परिवर्तित की गई । स्थगन की कुल 101 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से एक विषय से संबंधित 17 सूचनाओं को ग्राह्य कर चर्चा करायी गयी एवं एक विषय से संबंधित 14 सूचनाओं पर सदन में ग्राह्यता की चर्चा उपरांत अग्राह्य किया गया तथा एक विषय से संबंधित 15 सूचनाओं को सदन में पढ़ने एवं शासन का वक्तव्य सुनने के पश्चात् अग्राह्य किया गया । शून्यकाल की 41 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें से 34 सूचनाएं ग्राह्य और 7 सूचनाएं अग्राह्य रही। माननीय सदस्यों द्वारा 58 याचिकायें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 21 ग्राह्य रही।

इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 12 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरांत पारित हुए। वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक अनुमान पर 3 घंटे 33 मिनट चर्चा हुई ।

राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की लोक–संस्कृति, लोक–संस्कार और लोक–भाषा के सम्मान, संवर्धन हेतु निरंतर प्रयत्नशील है । इसी कड़ी में आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने राजभाषा छत्तीसगढ़ी को संविधान के अनुच्छेद 344(1) और अनुच्छेद 351 से सहपठित आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने हेतु संकल्प रखा जो सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ । आप सभी माननीय सदस्यों की राजभाषा छत्तीसगढ़ी के प्रति सम्मान की यह भावना ही छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखने में सहायक सिद्ध होगी ।

आज सदन को मुझे यह जानकारी देते हुए प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि कल **भानिवार, दिनांक 29 अगस्त 2020** को हमारी छत्तीसगढ़ विधान सभा के नये **विधान सभा भवन** का **शिलान्यास** नवा रायपुर, अटल नगर में होगा । इसके साथ ही आज मेरे कक्ष में विधान सभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रिका **''विधायन''** का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष की उपस्थिति में किया गया । विधायन का यह अंक **''पर्यावरण संरक्षण''** पर केन्द्रित है । इसके अतिरिक्त आज ही छत्तीसगढ़ विधान सभा पर केन्द्रित एक लघु वृत्तचित्र की वीडियो सीडी भी जारी की गयी है ।

इस अवसर पर मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने विषम परिस्थितियों के बावजूद सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस **पावस सत्र** समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस **पावस सत्र** के दौरान कायम रखी। मैं विधान सभा के प्रमुख सचिव सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की तिथियों की घोषणा की परंपरा रही है तद्नुसार पंचम विधानसभा का **अष्ठम सत्र दिसंबर माह** के तृतीय सप्ताह में आहूत होने की संभावना है। आईये हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को समग्र उन्नति के शीर्ष पर पहुंचाने का पुनीत संकल्प लें।

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़

धन्यवाद !